

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
1	A	<p><u>पैशक</u> - इटली के फ्लोरेंस नगर का निवासी पैशक, पुनर्जागरण कालीन एक महान विचारक एवं साहित्यकार था।</p> <p>इसे मानवतावाद का जनक कहा जाता है।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
1	B	<p><u>वसायि की संधि</u> - प्रथम विश्व-युद्ध की समाप्ति पर जर्मनी एवं मित्र राष्ट्रों के बीच हुई।</p> <p><u>परिणाम</u> - जर्मनी को भारी आर्थिक एवं भौगोलिक नुकसान उठाना पड़ा।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
1	C	<p>रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख, गुजरात के गिरनार पर्वत से प्राप्त हुआ है।</p> <p><u>विशेषता</u> - सबसे प्राचीन संस्कृत अभिलेख</p> <p><u>विषय</u> - रुद्रदामन की विजय वंशावली एवं सुदर्शन झील के पुनरुद्धार का विवरण।</p>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

2



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	K	कवि पद्माकर - रीतिकालीन कवि पद्माकर का जन्म मह्यप्रदेश के सागर में 1853 में हुआ था। रचनाएँ - पबोध पंचास, राम रसायन गंगालहरी आदि
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	M	मह्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद् स्थापना - 1980 ईस्वी कार्य - आदिवासी लोक कला का संरक्षण एवं संवर्धन
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	N	कुमार गंधर्व सम्मान स्थापना - 1992-93 प्रकार - मह्यप्रदेश शासन क्षेत्र - संगीत के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट युवा प्रतिभा को
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>		
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	O	मह्यप्रदेश इको पर्यटन बोर्ड स्थापना - भोपाल में उद्देश्य - पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को प्रोत्साहित करना

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका (Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान कौटिल्य एकेडमी सफलता का प्रवेश द्वार

2	A	1789 ईस्वी में हुई फ्राँसीसी में विचारकों का महत्वपूर्ण योगदान निम्नानुसार है -
		<u>मॉटेस्क्यू</u> - इसने विधि की आत्मा नामक पुस्तक में 'शक्ति के संचयन' का सिद्धांत दिया। स्वतंत्रता, स्वतंत्रता तथा संपत्ति पर मनुष्य का जन्म सिद्ध अधिकार बताया।
		<u>वाल्तेयर</u> - इसने अपने लेखों में न्याय की कठुआलोचना की। जिससे फ्रांस में हलचल मच गयी।
		<u>जीन-जैक्स-रूसो</u> - इसने 'सामाजिक समझौता' नामक अपनी पुस्तक में लिखा कि "मनुष्य स्वतंत्र जन्म लेता है, किंतु सर्वज्ञ जंजीरों में जकड़ा रहता है।"
		उपरोक्त के अलावा <u>दिवरो</u> , <u>हल्वेशिमस</u> , <u>क्वेसेन</u> , <u>हाल्वारब</u> आदि के विचारों ने जनता के मस्तिष्क को झकझोर दिया।



प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वह आर्थिक एवं शिल्प वैज्ञानिक विकास जो 18वीं सदी में और अधिक तीव्र एवं सशक्त हो गया तथा जिसके परिणाम स्वरूप आधुनिक उद्योगवाद का जन्म हुआ उसे ही ही औद्योगिक क्रांति कहा जाता है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	औद्योगिक क्रांति के इंग्लैंड में शुरू होने के कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भौगोलिक कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	प्राकृतिक बंदरगाहों की उपस्थिति अतः आयात-नियति में आसानी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कोयला एवं लौह अयस्क के पर्याप्त भंडार
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आर्थिक कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पूंजी की उपलब्धता
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कच्चा माल प्राप्त करने एवं तैयार माल की स्वयं सेवक हेतु उपनिवेशीकरण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	राजनैतिक कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सशक्त नौसैनिक शक्ति
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	स्वच्छ रसायनिक कारण
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	1) कृषि क्रांति से बेरोजगार हुए लोग सरकारी मजदूरी के रूप में उपलब्ध थे।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	2) जनसंख्या क्षति से वस्तुओं की माँग में बढ़ोत्तरी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	स्पष्ट है कि इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति हेतु पर्याप्त अनुकूल माहौल था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)



भारत का नं. 1 संस्थान
कौटिल्य एकेडमी
सफलता का प्रवेश द्वार

2	C	
		अभिलेख एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्रोत है जिससे इतिहास विशेषकर प्राचीन इतिहास के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है।
		इतिहास निर्माण में अभिलेखों का महत्व
		(i) ये किसी राज्य अथवा राजा के समकालीन होते हैं अतः अत्यंत वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है।
		(ii) इनसे तत्कालीन राजनीतिक एवं सामाजिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है।
		(iii) ये राज्य की सीमाओं एवं राजा के व्यक्तित्व के विषय में सही जानकारी देते हैं।
		(iv) इनसे प्राप्त कुछ तथ्य अद्विक सही होते हैं क्योंकि इनमें लेखक या कवि की भावना का स्थान नहीं होता है।
		अंत में डॉ० रमेश चंद्र मजूमदार का कथन उल्लेखनीय है कि "अभिलेख समसामयिक होने के कारण विश्वसनीय प्रमाण हैं उनसे हमें इतिहास निर्माण में सबसे अधिक सहायता मिलती है।"


 प्रश्न
 संख्या

 मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
2	F	<u>बंग - भंग आंदोलन</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	यह आंदोलन वर्ष 1905 में ईस्वी में बंगाल विभाजन के विरुद्ध चलाया गया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	लार्ड कर्जन ने 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन को लागू किया, परंतु उससे पूर्व ही पूरे बंगाल में इस विभाजन का विरोध होना शुरू हो गया जिसे बंग - भंग आंदोलन कहा जाता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	16 अक्टूबर को पूरे बंगाल में शोक दिवस मनाया गया। एवं इसी समय स्वदेशी एवं वणिक्कर आंदोलन चलाया गया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इसी समय स्वदेशी आंदोलन को चलाने के लिए 'बोधव समिति' का गठन किया गया जो हिंदू - मुस्लिम रक्तता को प्रतीक थी। हिंदू - मुस्लिमों में एक-दूसरे की कलाइयों पर राखी बाँधी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	बंग - भंग आंदोलन के परिणामस्वरूप ब्रिटिश सरकार को सन् 1911 ईस्वी में 'बंगाल विभाजन' रद्द करना पड़ा।



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
2	7	आर्य समाज की स्थापना सन् 1875 ई० में वेवई में 'स्वामी दयानंद सरस्वती' द्वारा की गयी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आर्य समाज का भारतीय पुनर्जागरण निम्नोक्त योगदान है -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>धार्मिक सुधार कार्य</u> - दूर्ध्व-पूजा, कर्मकांड, बलि प्रथा, एवं भाग्यवाद का विरोध किया। साथ ही वेदों की श्रेष्ठता का दावा किया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>सामाजिक सुधार कार्य</u> - बाल-विवाह, सती प्रथा, पदा-प्रथा, जाति प्रथा, बहु-विवाह आदि का विरोध किया एवं स्त्री-शिक्षा, अंतर्जातीय विवाह एवं विधवा विवाह का समर्थन किया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>अन्य कार्य</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	हिंदी साहित्य को समृद्ध एवं संस्कृत साहित्य को पुनः स्थापित करने का प्रयास किया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सत्यानंद प्रकाश (स्वामी दयानंद सरस्वती) में विवाह, शिक्षा शिक्षक नियुक्त एवं इत्यादि तथा सरकार आदि पर प्रस्ताव रख कर अजागरुति को खत्म करने का कार्य किया।

~~20 का दिनांक~~

~~20 का दिनांक~~

~~20 का दिनांक~~



प्रश्न
संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
2	M	<u>खजुराहो के मंदिर</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	यूनेस्को की विश्व-धरोहर सूची में शामिल खजुराहो के मंदिर, मध्य-प्रदेश के धरपुर जिले में अवस्थित हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	निर्माण - 950 ईस्वी से 1050 ईस्वी के मध्य चंदेल राजाओं द्वारा।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इन मंदिरों का निर्माण ऊँची चौकियों पर लाल-बलुआ पत्थर से किया है। यहाँ के मंदिरों में कौटिल्या महादेव मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, दशावतार मंदिर, चौसठ योगिनी मंदिर आदि उल्लेखनीय मंदिर हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इन मंदिरों में रतिक्रीडारू निष्कपट जान पड़ती हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपरोक्त शैव, वैष्णव एवं जैन धर्म से संबंधित मंदिर मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं। अतः सरकार प्रतिवर्ष यहाँ खजुराहो उत्सव का आयोजन करती है।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

2 K

मह्य-प्रदेश के 5 प्रमुख सांस्कृतिक समारोह

क्र०	समारोह	स्थान/ शुरुआत	विशेष
1	कालिदास समारोह	उज्जैन 1977	विश्व भर के संस्कृति विद्वान सम्मिलित होते हैं।
2.	तानसेन समारोह	जवाहरपुर	शास्त्रीय संगीत के दूर-दूर कलाकार उपस्थित होते हैं। यही प्रतिवर्ष तानसेन सम्मान प्रदान किया जाता है।
3.	खजुराहो नृत्य समारोह (खजुराहो)	खजुराहो (मध्य प्रदेश)	कुचिपुडी, कथक, ओडिसी भरवनाक्षयम, मणिपुरी एवं मोहिनी अट्टम आदि नृत्य के कलाकार उपस्थित होते हैं।
4.	मह्य प्रदेश लोक कला समारोह	विभिन्न स्थानों पर	लोककलाओं का प्रचार-प्रसार किया जाता है।
5.	अलाउद्दीन खान समारोह	मैहर	खावा अलाउद्दीन खान (संगीतकार) की स्मृति में मनाया जाता है।



प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	के समर्थक इंग्लैंड, अमेरिका और फ्रांस थे।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(iii) नवीन विचारधाराओं का उदय
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इटली में फासीवाद, जर्मनी में नाजीवाद, रूस में साम्यवाद की विचारधाराओं ने यूरोप में रवलवली भूचा दी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(iv) जर्मनी के अतिवादी राष्ट्रवाद एवं हिटलर के उदय से द्वितीय-विश्व युद्ध अवशमंभापी हो गया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(v) साम्राज्यवादी भावना का विकास - रूस
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इटली, जर्मनी एवं जापान के पास सैनिक शक्ति तो थी पर विशाल साम्राज्य नहीं अतः उपनिवेश-पाति हेतु होड़ लग रही गयी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(vi) मित्र राष्ट्रों फ्रांस, इंग्लैंड एवं रूस में आपसी मतभेद था। अतः हिटलर को लड़ावा मिला।

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
 (Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>अन्य कारण</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- राष्ट्रसंघ की दुर्बलता ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- अल्पसंख्यक जातियों में असंतोष ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- सैन्यवादी भावना का विकास ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- मित्त राष्ट्रों की तुल्यकरण की नीति ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	- विभिन्न गुटबन्धियाँ ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>तात्कालिक कारण -</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	सन् 1939 में खिवर ने जब पोलैंड से डेजिंग बंदरगाह माँगा तो पोलैंड ने देने से इंकार कर दिया जिससे खिवर ने 1 सितंबर 1939 को बिना युद्ध की घोषणा किये ही पोलैंड पर आक्रमण कर दिया । 3 सितंबर 1939 को इंग्लैंड और फ्रांस ने पोलैंड की रक्षा हेतु जर्मनी पर आक्रमण कर दिया और इस प्रकार द्वितीय विश्व युद्ध प्रारंभ हो गया ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि द्वितीय विश्व-युद्ध अनेक कारणों का संयुक्त परिणाम था। एवं इसकी जड़ जड़ -पंचम - विश्व युद्ध के बाद हुई वर्साय की संधि में थी।

कौटिल्य एकेडमी



प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
3	B
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

गुप्तकाल प्राचीन भारत के स्वर्ण के रूप में

श्री गुप्त द्वारा स्थापित गुप्तकाल अन्त कालों की अपेक्षा अधिक गौरवपूर्ण, जोष तथा शैश्वर्यवान रहा। अतः गुप्तकाल प्राचीन भारतीय इतिहास का स्वर्णकाल कहा जाता है इस तथ्य निर्मांकित शोधकों द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है -

(i) महान सम्राटों का काल :- श्री गुप्त स्थापित गुप्तकाल के 'समुद्रगुप्त' ने अपनी दिपिजय से चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया। वहीं दूसरी ओर 'चंद्रगुप्त द्वितीय' ने न केवल इन्हें के के अस्तित्व को समाप्त किया बल्कि भारत को पूर्ण राजनैतिक एकता प्रदान की।

(ii) राजनैतिक एकता का काल - मौर्य साम्राज्य के पतन के पश्चात् छोटे - छोटे राज्यों में विभाजित भारत को गुप्त काल में ही राजनैतिक एकता प्राप्त हुई।

(iii) आदर्श शासन व्यवस्था का काल :- गुप्त शासन का आधार



मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	पजाकर्मलता, पजा-हित एवं लोक कल्याणकी भावना थी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(iv) <u>धार्मिक सहिष्णुता का काल</u> :- यद्यपि गुप्त सम्राट वैशम्पति धर्मावलंबी थे, किंतु उन्होंने धार्मिक सहिष्णुता की नीति का पालन किया।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(v) <u>आर्थिक संपन्नता का काल</u> :- गुप्त काल में सोने के सिक्कों का चलन सिद्ध करता है कि देश की आर्थिक दशा अत्यंत उन्नत अवस्था में थी।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(vi) <u>साहित्यिक उन्नति का काल</u> :- कालिदास इस काल के महान संस्कृत साहित्यकार थे जिन्होंने अभिज्ञान शकुन्तला एवं मेघदूत सहित 17 ग्रंथों की रचना की।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कालिदास के अलावा विष्णुशर्मा (पंचतंत्र), हरिषेण (प्रयाग-प्रशस्ति), विश्वारवाक्ष (मुंडाराक्षस) आदि प्रमुख विद्वान इस काल में थे।



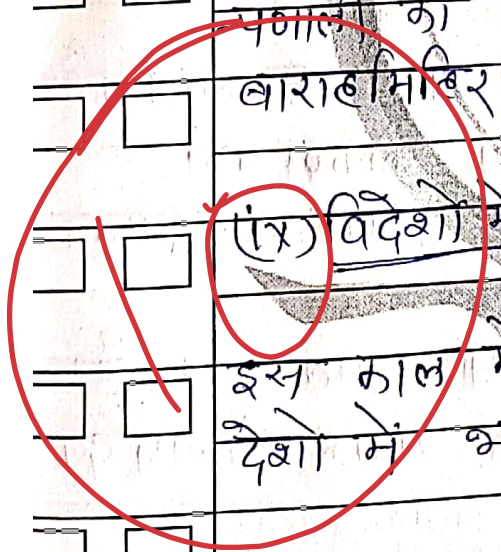
मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

प्रश्न संख्या

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(vii) कलाओं के विकास का काल :- वास्तुकला के अंतर्गत अनेक मंदिरों जैसे - देवगढ़ का दशापत्तार मंदिर, भितरगाँव मंदिर आदि का निर्माण हुआ साथ ही चित्रकला एवं मूर्तिकला का भी बृहत् विकास हुआ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(viii) वैज्ञानिक प्रगति का काल - इस काल के प्रसिद्ध वैज्ञानिक आर्यभट्ट थे जिन्होंने चंद्रग्रहण एवं दशमलव प्रणाली का आविष्कार किया। इसी काल में वाराहमिहिर (ज्योतिष विज्ञानी) भी थे।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	(ix) विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रसार का काल - इस काल में जावा, सुमात्रा, मलाया बर्नियो आदि देशों में भारतीय संस्कृति का प्रसार हुआ।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि गुप्तकाल में भारत की चुनौतिक उन्नति हुई अतः इस काल को स्वर्णकाल कहना न्यायसंगत है।

जात 12

कामना
20/11





<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>राजाभोज गौरवशाली व्यक्तित्व</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	परमार वंशीय शासक सिधुराज के उत्तराधिकारी
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	राजा भोज का समय 1000 ईस्वी से 1055
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	ईस्वी तक माना जाता है। राजाभोज के
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	महान् व्यक्तित्व एवं उपलब्धियों को निम्न
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	विंदुओं के अंतर्गत समझा जा सकता है -
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>राजनीतिक उपलब्धियाँ</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	राजा भोज का साम्राज्य मालवा, चित्तौर,
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	बोसवाड़ा, डूंगरपुर खानदेश कोकण एवं
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	गोदावरी घाटी के कुछ हिस्से तक विस्तृत
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	द्वार नक्षत्र मशरूत से ज्ञात होता है
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	कि भोज ने त्रिपुरी के शासक गौगोय देव
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	को पराजित किया था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	उसके राज्य काल के 11 (ग्यारह)
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	अभिलेख उज्जैन, द्वार, देपालपुर,
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	मेहदीपुर आदि से प्राप्त हुए हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	



प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा उत्तर पुस्तिका
(Mains Answer Sheet)

<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>साहित्यिक उपलब्धियाँ</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	वह अपनी विद्वता के कारण कविराज की उपाधि से विख्यात था। उसकी रचनाएँ समर्पण सूत्रधार, सरस्वती कण्ठभरण एवं आयुर्वेद सर्वरूप हैं।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	आइने - अकबरी के अनुसार भोज की राजसभा में 500 विद्वान थे।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>वास्तुकला:</u>
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	भोपाल का बड़ा तालाब, भोजपुर का शिवमंदिर एवं धार में सरस्वती मंदिर का निर्माण राजा भोज ने ही करवाया था।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	इस प्रकार स्पष्ट है कि राजा भोज को उसकी उपलब्धियों के आधार पर महान एवं गौरवशाली व्यक्तित्व निःसंदेह ही कहा जा सकता है।
<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<u>सरस्वती विराजिता</u>

सरस्वती विराजिता